www.deshkiupasana.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RNI NO - UPHIN/2022/86937
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE
सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 62 | जौनपुर, शनिवार, 17 अक्टूबर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

गोरक्षपीठ में महानिशा पूजा कल लोकमंगल की कामना करेंगे सीएम योगी

गोरखपुर, (संवाददाता)। गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार से मंगलवार तक लगातार तीन दिनों तक विशेष अनुष्ठान, पूजन और पारंपरिक उत्सवों में शामिल होंगे। अष्टमी (रविवार) की शाम वह गोरक्षपीठ की परंपरा के अनुसार महानिशा पूजा करेंगे। सोमवार को महानवमी पर कन्या पूजन का अनुष्ठान संपन्न करेंगे। नवरात्र के समापन के बाद 20 अक्तूबर को विजयादशमी पर गुरु गोरखनाथ की विशिष्ट पूजा–अर्चना करेंगे। इसके बाद गोरक्षपीठाधीश्वर गोरखनाथ मंदिर से निकलने वाली ऐतिहासिक विजयादशमी शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे। शारदीय नवरात्र की प्रतिपदा पर गोरक्षपीठाधीश्वर ने गोरखनाथ मंदिर स्थित शक्तिपीठ में कलश स्थापना की थी। इसके बाद नवरात्र के नियमिम पूजन–अनुष्ठान उनके प्रतिनिधि के रूप में गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ संपन्न करा रहे हैं। अष्टमी से लेकर विजयादशमी तक गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ स्वयं विशेष आराधना में शामिल होंगे। रविवार को अष्टमी के अवसर पर गोरक्षपीठाधीश्वर विधि–विधान से महानिशा पूजन और हवन करेंगे। इस दौरान वह लोककल्याण की कामना करेंगे। 19 अक्तूबर को पूर्वाह्न 11 बजे से गोरक्षपीठ में मातृशक्ति के प्रति श्रद्धा और सम्मान के प्रतीक कन्या पूजन का आयोजन होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नौ दुर्गा स्वरूपा कन्याओं के पांव पखारकर उनका पूजन करेंगे। उनके माथे पर रोली, चंदन, दही और अक्षत का तिलक लगाकर विधि–विधान से पूजा–अर्चना करेंगे। इसके बाद कन्याओं को श्रद्धापूर्वक भोजन कराकर दक्षिणा और उपहार देंगे तथा उनका आशीर्वाद लेंगे। इस अवसर पर परंपरा के अनुसार बटुक पूजन भी किया जाएगा। 20 अक्तूबर को महायोगी गुरु गोरखनाथ के विशिष्ट पूजन और गोरक्षपीठाधीश्वर के तिलकोत्सव के बाद शाम को विजयादशमी की भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी।

चुनाव न जीतने पर विपक्ष फैला रहा झूठ – शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 17 अक्टूबर को कांग्रेस नेता राहुल गांधी और विपक्ष की आलोचना की। उन्होंने उन पर जनता को भड़काने के लिए झूठ और अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया। मध्य प्रदेश के भोपाल में मीडिया से बात करते हुए, चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जनता का समर्थन हासिल है और मतदाताओं ने विपक्ष को बार–बार खारिज किया है। चौहान ने कहा कि वे (राहुल गांधी) चुनाव नहीं जीत पा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी लोगों के दिलों में बसते हैं... जनता ने उन्हें (विपक्ष को) पहले भी कई बार खारिज किया है। वे पहले भी हार रहे थे और अब भी हार रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष को यह समझ आ गया है कि वह चुनाव नहीं जीत सकता, इसलिए वह अशांति फैलाने की कोशिश कर रहा है। शिवराज सिंह चौहान ने आगे कहा कि अगर लोगों के दिलों में उनके लिए कोई जगह होती, तो अब तक उन्हें सफलता मिल गई होती। अब, यह महसूस करते हुए कि वे चुनाव नहीं जीत सकते, वे अराजकता फैला रहे हैं३ झूठ और अफवाहें फैलाकर लोगों को भड़काने की कोशिश की जा रही है३ उनकी ये कोशिशें यहाँ कामयाब नहीं होंगी। देश ऐसे नकारात्मक लोगों को पूरी तरह से नकार देगा। ये टिप्पणियाँ रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के एक दिन पहले दिए गए उस बयान के बाद आईं, जिसमें उन्होंने कांग्रेस और उसके सहयोगियों पर भारत में बांग्लादेश जैसी राजनीतिक उथल–पुथल पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। सिंह ने दावा किया कि इन विरोध प्रदर्शनों का मकसद चुनावी सुधारों पर बात करना नहीं, बल्कि अशांति फैलाना था।

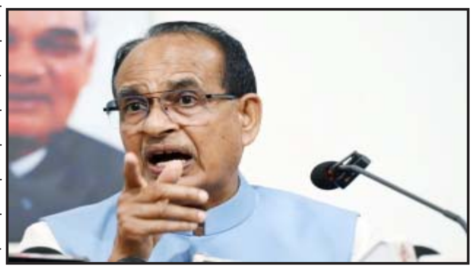

संक्षिप्त खबरें

भारतीय प्रतिभाएं दुनिया का नेतृत्व कर रहीं,– हरदीप सिंह पुरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शुक्रवार को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर स्थित स्टाइन ऑडिटोरियम में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'विकसित भारत की राहरू शताब्दी सम्मेलन' के समापन सत्र को संबोधित किया। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) की ओर से आयोजित सम्मेलन में उन्होंने युवाओं से ऊर्जा, वित्त और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों की चुनौतियों को उत्पादक उद्यमों में बदलने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। प्रमुख शिक्षकों, आर्थिक विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और छात्रों को संबोधित करते हुए हरदीप सिंह पुरी ने भारत की विकास यात्रा में निरंतरता और बदलाव के बीच महत्वपूर्ण संबंध पर विचार रखे। एसआरसीसी के शताब्दी वर्ष का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि औपनिवेशिक शासन के दौरान स्थापित यह संस्थान आज युवा भारतीयों को वैश्विक उद्यमों का नेतृत्व करने और व्यापक संभावनाओं वाले देश में सार्वजनिक नीतियों को आकार देने के लिए तैयार कर रहा है। दार्शनिक अल्फ्रेड नॉर्थ व्हाइटहेड का उल्लेख करते हुए पुरी ने कहा कि विश्वविद्यालय का कार्य कल्पनाशीलता और अनुभव को एक साथ जोड़ना है।

एनडीए की जीत सुनिश्चित करेगा – प्रह्लाद जोशी

हुबली, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को विश्वास जताया कि एनडीए उम्मीदवार कर्नाटक पश्चिम स्नातक निर्वाचन क्षेत्र सहित विधान परिषद की सभी चार सीटों पर जीत हासिल करेंगे। उन्होंने राज्य में कांग्रेस सरकार के प्रति जनता में बढ़ते असंतोष का भी आरोप लगायाहुबली–धारवाड़ में भाजपा उम्मीदवार संकानूर के लिए प्रचार करने के बाद जोशी पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार की कार्यप्रणाली, बिजली की कमी, सूखे के प्रबंधन, बढ़ती कीमतों और स्टिंग ऑपरेशन से जुड़े विवाद को लेकर सरकार की आलोचना की ।जोशी ने कहा कि कर्नाटक, जो पहले काफी मात्रा में बिजली पैदा करने में सक्षम था, अब वहां बिजली कटौती हो रही है, जिससे किसान और ग्रामीण इलाकों के लोग प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि वह बिजली की सही खरीद और प्रबंधन के जरिए पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रही है। उन्होंने सरकार के सूखा राहत उपायों की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि सरकार सूखे से प्रभावित किसानों को पर्याप्त मुआवजा देने में नाकाम रही है ।उन्होंने बताया कि पिछली भाजपा सरकार ने भारी बारिश के दौरान 8,000 रुपए प्रति हेक्टेयर, सूखी जमीन पर खेती के लिए 13,000 रुपए और सिंचित भूमि के लिए 25,000 रुपए का मुआवजा दिया था।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने अपोलो अस्पताल पहुंचकर लालकृष्ण आडवाणी का हाल जाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। स्थित अपोलो अस्पताल पहुंचकर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी का हाल जाना। आडवाणी इस समय दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती हैं। जेपी नड्डा ने अस्पताल पहुंचकर उनका हेल्थ अपडेट लिया। 16 अक्टूबर को भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी को सीने में संक्रमण की शिकायत के बाद शुक्रवार देर शाम अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मामले की जानकारी रखने वाले अधिकारियों के अनुसार, 98 वर्षीय आडवाणी को शाम 7:30 बजे अस्पताल लाया गया था। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया था कि वरिष्ठ नेता का इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है। 98 वर्षीय आडवाणी को इससे पहले भी इस साल मई में उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वे कुछ दिनों तक अस्पताल में रहे थे और उसके बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी। दिसंबर 2024 में भी पूर्व उप प्रधानमंत्री को मेडिकल जांच और इलाज के लिए इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। उस समय वे न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. विनीत सूरी की देखरेख में थे और अस्पताल ने बताया था कि उनकी हालत स्थिर है। एक रिपोर्ट के अनुसार 17 दिसंबर 2024 को अस्पताल ने बताया था ।

दिल्ली के व्यापारियों की पीएम मोदी से अपील, 31 जनवरी 2027 तक राजनीतिक प्रदर्शन रोकने की मांग

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के व्यापारिक संगठनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राजधानी में होने वाले राजनीतिक प्रदर्शनों को 31 जनवरी 2027 तक स्थगित कराने की मांग की है। व्यापारियों का कहना है कि आगामी त्योहारी और विवाह सीजन के दौरान धरना–प्रदर्शनों, यातायात प्रतिबंधों और सड़कों पर अवरोधों के कारण कारोबार प्रभावित होता है। इससे न केवल व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है, बल्कि ग्राहकों, श्रमिकों और आम नागरिकों को भी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। प्रधानमंत्री को भेजे गए पत्र में व्यापारिक प्रतिनिधियों ने कहा कि दिल्ली देश के प्रमुख व्यापारिक केंद्रों में शामिल है। यहां दिल्ली–एनसीआर के साथ आसपास के कई शहरों से प्रतिदिन लाखों लोग खरीदारी और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए पहुंचते हैं। नवरात्र, दीपावली, गुरुपर्व, क्रिसमस और विवाह समारोहों का मौसम व्यापार के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में बाजारों का सुचारू संचालन व्यापारियों, श्रमिकों, ग्राहकों और परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों की आजीविका के लिए जरूरी है। व्यापारी संगठनों ने पत्र में कहा कि राजनीतिक प्रदर्शनों के दौरान लगाए जाने वाले यातायात प्रतिबंधों और मार्ग अवरोधों से बाजारों तक पहुंच प्रभावित होती है। माल की आवाजाही में रुकावट आने से व्यापारिक गतिविधियां बाधित होती हैं और कारोबारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। इसके अलावा, दिहाड़ी मजदूरों और अन्य श्रमिकों की आय पर भी इसका सीधा असर पड़ता है। व्यापारियों के लिए कर्मचारियों का वेतन, दुकानों का किराया और अन्य वित्तीय दायित्व पूरे करना भी मुश्किल हो जाता है। पत्र में यह भी कहा गया है कि प्रदर्शनों के दौरान मेट्रो स्टेशनों को बंद किए जाने, सड़कों पर जाम लगने और यातायात प्रतिबंधों के कारण आम नागरिकों को भारी परेशानी होती है।

बेनकाब हुआ विपक्ष का एजेंडा - नितिन नवीन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण के 'सत्ता परिवर्तन' संबंधी बयान को लेकर शुक्रवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधा। नवीन ने आरोप लगाया कि यह टिप्पणी विदेशी ताकतों के साथ मिलकर देश को अस्थिर करने के विपक्ष के 'दुर्भावनापूर्ण एजेंडे' को उजागर करती है। नवीन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि विपक्ष की लड़ाई चुनाव सुधारों, मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) या देश के युवाओं के भविष्य के लिए नहीं, बल्कि अराजकता फैलाकर किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करने के लिए है। उन्होंने कहा, ''सत्ता परिवर्तन' (रिजीम चेंज) जैसे शब्दों के इस्तेमाल से विपक्ष का असली एजेंडा देश के सामने स्पष्ट रूप से उजागर हो गया है। विदेशी ताकतों के साथ मिलकर भारत को अस्थिर करने का यह कुत्सित प्रयास 'अर्बन नक्सल' के एजेंडे का ही हिस्सा है।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता का मार्ग जनादेश से होकर गुजरता है, अराजकता से नहीं। उन्होंने कहा कि देश की जनता और भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने के किसी भी प्रयास को सफल नहीं होने देंगी। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जारी प्रदर्शनों के बीच प्रशांत भूषण ने बृहस्पतिवार को 'सत्ता परिवर्तन' का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि सरकार के खिलाफ असंतोष पैदा करना लोकतंत्र में अपराध नहीं है और यह हर नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है। भूषण ने यहां कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के संस्थापक अभिजीत दीपके, छात्र संगठनों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा था कि फिलहाल उनका संघर्ष निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए है, लेकिन यदि इसी तरह की बर्बरता जारी रही तो सत्ता परिवर्तन निश्चित रूप से होगा। भूषण की टिप्पणी पर केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी समेत भाजपा के कई नेताओं ने तीखी प्रतिक्रिया दी और लोगों से गुस्सा भड़काने के कथित प्रयासों के झांसे में नहीं आने की अपील की। जोशी ने 'एक्स' पर कहा कि जिस तरह की बाहरी साजिशों ने लीबिया, नेपाल और बांग्लादेश को अस्थिर किया, ।

ओडिशा के छात्रसंघ चुनावों में एबीवीपी की जीत देश विरोधी ताकतों को युवाओं का करारा जवाब – गृह मंत्री अमित शाह

ओडिशा, (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा, "ओडिशा के छात्रसंघ चुनावों में मिली प्रचंड जीत के लिए एबीवीपी के कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई।" उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी, दिल्ली यूनिवर्सिटी और अब ओडिशा के विश्वविद्यालयों में एबीवीपी जीत का जिक्र करते हुए विरोधियों पर भी हमला बोला। अमित शाह ने 'एक्स' पोस्ट में कहा, "पहले पंजाब यूनिवर्सिटी, फिर दिल्ली यूनिवर्सिटी और अब ओडिशा के 13 विश्वविद्यालयों में एबीवीपी को मिली यह शानदार जीत स्पष्ट संदेश है कि देश की युवा शक्ति झूठ, भ्रम व अराजकता फैलाने वाली ताकतों के साथ नहीं, बल्कि 'राष्ट्र प्रथम' की विचारधारा के साथ मजबूती से खड़ी है। परिषद की यह जीत देशविरोधी ताकतों को युवाओं का करारा जवाब है।" एबीवीपी ने ओडिशा के छात्र संघ चुनावों में अपनी मजबूत छाप छोड़ी है। संगठन ने 13 विश्वविद्यालयों में 8 अध्यक्ष और 11 महासचिव के पदों पर जीत हासिल की है। वहीं, 6 विश्वविद्यालयों में पूरी तरह से क्लीन स्वीप किया है। विद्यार्थी परिषद ने जीत के बाद 'एक्स' पोस्ट में कहा, "ओडिशा के छात्रों का जनादेश स्पष्ट है, वे एबीवीपी के साथ हैं। ओडिशा के परिसरों से संदेश साफ हैरू छात्रों ने छात्र नेतृत्व और सेवा के प्रति एबीवीपी की प्रतिबद्धता पर अपना भरोसा जताया है।" ओडिशा उच्च शिक्षा विभाग के अनुसार, गुरुवार को कुल 332 उच्च शिक्षण संस्थानों (जिनमें लगभग 320 कॉलेज और 13 विश्वविद्यालय शामिल हैं) में सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक मतदान हुआ।

उपराष्ट्रपति ने कोझिकोड में 'नवरात्रि सर्गोत्सवम 2026' का किया उद्घाटन

केरल, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने केरल के कोझिकोड में 'नवरात्रि सर्गोत्सवम 2026' का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने विकास के पथ पर आगे बढ़ते हुए भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को सहेजने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और विकास की आकांक्षाएं एक–दूसरे की पूरक हैं तथा देश की साझा सभ्यतागत विरासत उसकी स्थायी शक्ति है। सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि नवरात्रि 'आदि पराशक्ति' की दिव्य नारी शक्ति का उत्सव है, जो सृष्टि, शक्ति, ज्ञान और करुणा की शाश्वत स्रोत हैं। उन्होंने कहा कि इस त्योहार का चिरस्थायी संदेश है कि साहस को भय पर, न्यायपरायणता को अन्याय पर और ज्ञान को अज्ञानता पर विजय प्राप्त करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ये शाश्वत मूल्य समाज को बेहतर भविष्य की ओर ले जाने के लिए निरंतर मार्गदर्शन करते हैं। भारत की विविध नवरात्रि परंपराओं का उल्लेख करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि भाषाओं, परंपराओं और पूजा–पद्धतियों में विविधता के बावजूद देश अपनी साझा सभ्यतागत विरासत के माध्यम से एकजुट है। उन्होंने कहा कि यह 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को दर्शाता है और भारत की विविधता में एकता को मजबूत करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकास भी, विरासत भी' के विजन का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और विकास की आकांक्षाएं एक–दूसरे की पूरक हैं। बरगद के पेड़ का उदाहरण देते हुए ।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद नवागत जीआरपी एसओ ने किया अयोध्या कैंट व अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन का निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या ।रेल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना,ट्रेनों को नियमित चेकिंग करना और स्टेशन परिसर के आसपास सक्रिय अराजक तत्वों पर शिकंजा कसना अयोध्या कैंट के नवागत थानाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा की प्राथमिकता है ।उन्होंने कार्यभार ग्रहण करने के बाद यह बात कही। अंबेडकरनगर मे थानाध्यक्ष जीआरपी पद से स्थानांतरित होकर आए नवागत कैंट स्टेशन जीआरपी थानाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने कहा कि रामनगरी अयोध्या में श्रद्धालुओं और रेल यात्रियों की भारी आवाजाही रहती है ।ऐसे में अयोध्या कैंट और अयोध्या धाम रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतना जरूरी है। दशहरा, दीपोत्सव और दीपावली जैसे प्रमुख पर्वों के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत करने की तैयारी अभी से शुरू कर दी गई है ।शनिवार को अयोध्या कैंट और अयोध्या धाम रेलवे स्टेशनों का निरीक्षण किया ।इस दौरान उन्होंने सभी प्लेटफॉर्मों, प्रतीक्षालयों, टिकट काउंटरों, आरक्षण केंद्रों, वाहन स्टैंड, सर्कुलेटिंग एरिया और रेलवे ट्रैक का जायजा लिया ।निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलवे स्टेशन परिसर में सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने और संदिग्ध गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता पर जोर दिया ।निरीक्षण के दौरान उन्होंने ने स्टेशन परिसर में मौजूद रेल यात्रियों से अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करने की अपील की ।उन्होंने कहा कि स्टेशन परिसर या आसपास कोई भी संदिग्ध वस्तु अथवा गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल जीआरपी को सूचना दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके ।वही अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के बाहर खड़े ई–रिक्शा और अन्य वाहन चालकों को भी उन्होंने सख्त चेतावनी दी ।उन्होंने स्पष्ट कहा कि सड़क पर जाम लगाने या यातायात बाधित करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी ।उन्होंने स्टेशन के आसपास यातायात व्यवस्था बनाए रखने और यात्रियों की आवाजाही सुगम करने पर भी जोर दिया।

संपादकीय

अपेक्षित लाभ प्राप्त

अंतरराष्ट्रीय अवसरों का लाभ उठाने के लिए भी जरूरी है कि देशी अर्थव्यवस्था में निवेश एवं प्रतिस्पर्धा के अनुकूल स्थितियां हों। इसके अभाव में ना संरक्षणवाद काम आया है, और ना खुले व्यापार का रास्ता! एक के बाद एक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करना तीसरे कार्यकाल में नरेंद्र मोदी सरकार की प्राथमिकता रही है। इनसे धारणा बनाई गई कि अब उन समस्याओं का हल निकल आएगा, जिन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था को घेरे रखा है। लेकिन मशहूर अमेरिकी थिंक टैंक– सेंटर फॉर इंटरनेशनल एंड स्ट्रेटेजिक स्टडीज (सीएसआईएस) के एक अध्ययन पत्र का निष्कर्ष है कि ये समझौते भारत के व्यापार ढांचे या मैनुफैक्चरिंग की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ाने में नाकाम रहे हैं। जिन देशों या देश समूहों के साथ करार हुए, उनसे भारत का द्विपक्षीय व्यापार जरूर बढ़ा है, लेकिन निर्यात आधारित विकास की महत्त्वाकांक्षा को पूरी करने में इनका कोई खास योगदान बनता नहीं दिखता। पत्र में जोर दिया गया है कि भूमि, श्रम, बिजली और जल की आपूर्ति, और विवादों के कुशल न्यायिक समाधान से संबंधित चुनौतियां बनी हुई हैं। दस्तावेज की दलील है कि इन बिंदुओं पर प्रगति के बिना भारतीय कंपनियां अपेक्षित प्रतिस्पर्धा क्षमता हासिल नहीं कर सकेंगी, जिससे वे एफटीए से मिले बाजार अवसरों का पूरा लाभ उठा सकें। इसमें ध्यान दिलाया गया है कि सत्ता में आने के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने श्मेक इन इंडियात्र योजना के तहत संरक्षणवाद को तरजीह दी। इसके तहत शुल्क और गैर शुल्क रुकावटें खड़ी कर घरेलू उत्पादकों को संरक्षण दिया गया। लेकिन इस योजना के परिणाम निराशाजनक रहे। भारतीय जीडीपी में मैनुफैक्चरिंग का योगदान 13–15 प्रतिशत के बीच बना रहा। तब मोदी सरकार ने एफटीए की नीति अपनाई। इस दौरान यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन, ओमान, ब्रिटेन, न्यूजीलैंड और यूरेपियन यूनियन से एफटीए करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए गए। लेकिन इन समझौतों से अपेक्षित लाभ प्राप्त होते नहीं दिख रहे हैं। इस दौरान एक और मुश्किल अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के संरक्षणवादी नीति अपनाने लेने से पेश आई है। इससे पूरी दुनिया का व्यापारिक माहौल बिगड़ गया है। बहरहाल, महत्त्वपूर्ण बात यह है कि अंतरराष्ट्रीय अवसरों का लाभ उठाने के लिए भी यह जरूरी है कि देशी अर्थव्यवस्था में निवेश एवं प्रतिस्पर्धा के लिए अनुकूल स्थितियां हों। इसके अभाव में ना तो संरक्षणवाद काम आया है, और ना ही खुले व्यापार का रास्ता!

पंजाब में नशे का तांडव : वर्दी बनी त्रासदी

ललित

पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बर्बादी और ड्रग्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन–व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बदहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि 'बाड़ ही खेत को खाने लगे', तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करों को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगें, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए। पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। 'घर का चिराग ही घर में अंधेरा कर दे', इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने–बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्ती के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों–ज्यों दवा की' जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी। पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ–साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पर्दे के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार–बार

सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियान्वयन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करों तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई। नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ–साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल–कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगें और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करे।

राजनीति में चमचा नहीं, बेलचा बनना चाहिए

चौतन्य मिश्रा

राजनीति केवल सत्ता के गलियारों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने, नेताओं के आसपास घूमने, प्रशंसा के पुल बांधने और व्यक्तिगत लाभ के अवसर तलाशने का माध्यम नहीं है। राजनीति का वास्तविक उद्देश्य जनसेवा, जनसमस्याओं का समाधान और व्यवस्था को जनहित के प्रति जवाबदेह बनाना है। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में एक ऐसी प्रवृत्ति तेजी से दिखाई देती है, जिसमें अनेक लोग अपनी राजनीतिक पहचान और भविष्य को अपने विचारों, कार्यों तथा जनाधार के बजाय किसी प्रभावशाली नेता की निकटता से जोड़कर देखते हैं। ऐसे में यह कहना प्रासंगिक हो जाता है कि राजनीति में चमचा नहीं, बेलचा बनना चाहिए। यह कथन केवल शब्दों का खेल नहीं, बल्कि राजनीतिक चरित्र, आत्मसम्मान और वैचारिक स्वतंत्रता की कसौटी है। चमचा बनने का अर्थ है–बिना सोचे–समझे किसी की हां में हां मिलाना, गलत को भी सही ठहराना और अपने विवेक को व्यक्तिगत लाभ के लिए गिरवी रख देना। इसके विपरीत, बेलचा बनने का अर्थ है– जमीन से जुड़ना, जनसमस्याओं की जड़ों तक पहुंचना, व्यवस्था में जमी गंदगी को बाहर निकालना और विकास के रास्ते में खड़ी बाधाओं को हटाने का साहस दिखाना। चापलूसी से नहीं, कर्म से बनती है राजनीतिक पहचान राजनीति में किसी वरिष्ठ नेता का सम्मान करना, संगठन के प्रति निष्ठावान रहना और नेतृत्व के निर्णयों का समर्थन करना गलत नहीं है। आखिरकार, किसी भी राजनीतिक दल की मजबूती अनुशासन, सामूहिकता और संगठनात्मक निष्ठा पर निर्भर करती है। लेकिन निष्ठा और चापलूसी के बीच एक स्पष्ट अंतर है। निष्ठा संगठन के सिद्धांतों के प्रति होती है, जबकि चापलूसी अक्सर व्यक्तिगत स्वार्थ के इर्द–गिर्द घूमती है। जब कोई व्यक्ति नेतृत्व की हर बात को अंतिम सत्य मानने लगता है, तब उसकी स्वतंत्र राजनीतिक सोच कमजोर पड़ने लगती है। वह जनता की समस्याओं पर सवाल उठाने के बजाय यह देखने लगता है कि उसके सवाल से किसी नेता की नाराजगी तो नहीं बढ़ जाएगी। धीरे–धीरे जनहित पीछे छूट जाता है और व्यक्तिगत लाभ प्राथमिकता बन जाता है। ऐसी राजनीति में पद तो मिल सकते हैं, लेकिन जनविश्वास अर्जित करना कठिन हो जाता है। क्योंकि जनता केवल यह नहीं देखती कि कौन किस नेता के कितने करीब हैय जनता यह भी देखती है कि संकट के समय कौन उसके साथ खड़ा हुआ, किसने उसकी आवाज उठाई और किसने जिम्मेदार लोगों से जवाब मांगा। राजनीतिक अस्तित्व का आधार पद नहीं, जनाधार है राजनीति में वास्तविक अस्तित्व किसी पद, सिफारिश, गुट या प्रभावशाली व्यक्ति की कृपा पर स्थायी रूप से नहीं टिका रह सकता। पद बदलते हैं, सत्ता के समीकरण बदलते हैं और राजनीतिक परिस्थितियां भी समय के साथ करवट लेती हैं। ऐसे में वही व्यक्ति लंबे समय तक अपनी प्रासंगिकता बनाए रख सकता है, जिसने जनता के बीच अपना विश्वास, कार्यकर्ताओं के बीच अपना सम्मान और संगठन में अपनी उपयोगिता स्थापित की हो। यदि किसी राजनीतिक कार्यकर्ता की पहचान केवल इस बात से है कि वह किस नेता के साथ दिखाई देता है, तो उसका राजनीतिक भविष्य नेतृत्व में होने वाले बदलावों के साथ प्रभावित हो सकता है। लेकिन यदि उसकी पहचान जनसमस्याओं के समाधान, संगठन के विस्तार, जनहित में संघर्ष और स्पष्ट विचारों से है, तो परिस्थितियां बदलने पर भी उसका महत्व बना रह सकता है। राजनीतिक अस्तित्व का वास्तविक अर्थ केवल पद हासिल करना नहीं, बल्कि ऐसा विश्वास अर्जित करना है जिसके कारण लोग आपकी बात सुनें, आपके संघर्ष पर भरोसा करें और आपको अपनी समस्याओं का प्रतिनिधि मानें। सवाल पूछना बगावत नहीं, जिम्मेदार राजनीति है लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत सवाल पूछने का अधिकार है। यदि किसी जनप्रतिनिधि, मंत्री, अधिकारी या संगठन के पदाधिकारी से जनहित से जुड़े विषय पर सवाल पूछा जाता है, तो उसे व्यक्तिगत विरोध या अनुशासनहीनता के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। सत्ता में बैठे लोगों की प्रशंसा करना आसान है, लेकिन उनकी गलतियों पर विनम्रता और तथ्यों के साथ सवाल उठाना साहस का काम है। राजनीतिक कार्यकर्ता का दायित्व केवल अपने नेतृत्व की उपलब्धियों का प्रचार करना नहीं, बल्कि जनता की अपेक्षाओं और वास्तविक परिस्थितियों के बीच की दूरी को नेतृत्व तक पहुंचाना भी है। यदि किसी क्षेत्र में सड़कें जर्जर हैं, अस्पतालों में सुविधाओं की कमी है, युवाओं को रोजगार के अवसर नहीं मिल रहे हैं, किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो रहा है या सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक नहीं पहुंच रहा है, तो इन मुद्दों को उठाना राजनीति का मूल कर्तव्य है। जो कार्यकर्ता इन समस्याओं को जानते हुए भी केवल अपनी राजनीतिक सुविधा के कारण मौन रहता है, उसे आत्ममंथन करना चाहिए।

डोनाल्ड, सेना और वो 9 रास्ते जो उड़ा देंगे होश मिडटर्म चुनाव में ट्रंप हारे तो होगा

अभिनय

अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के सामने एक ऐसा चुनावी इम्तिहान जिसका असर सिर्फ उनकी पार्टी की हार या जीत तक सीमित नहीं रहने वाला। 3 नवंबर को होने वाले मिड टर्म इलेक्शन में अगर रिपब्लिकन पार्टी को नुकसान हुआ तो ट्रंप के लिए कांग्रेस में अपने फैसलों को आगे बढ़ाना मुश्किल हो सकता है। उनके प्रशासन के खिलाफ जांच शुरू हो सकती है। लेकिन इस चुनाव से जुड़ा सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर नतीजे ट्रंप के खिलाफ गए तो क्या वो उन्हें स्वीकार करेंगे? और अगर चुनावी नतीजों को चुनौती दी गई तो क्या अमेरिका में राजनैतिक संकट पैदा हो सकता है? अंतरराष्ट्रीय मामलों पर रिसर्च करने वाली संस्था चार्टम हाउस में पब्लिश्ड आर्टिकल में इसी आशंका पर चर्चा की गई। इसमें बताया गया कि चुनावी प्रक्रिया पर लोगों का भरोसा कमजोर पड़ने और नतीजों को चुनौती देने की स्थिति का असर सिर्फ नवंबर के चुनाव तक सीमित नहीं रह सकता बल्कि 2028 के राष्ट्रपति चुनाव तक दिखाई दे सकता है। लेकिन पहले समझते हैं कि यह चुनाव ट्रंप के लिए इतने अहम क्यों हैं। अमेरिका में 3 नवंबर का हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की सभी 435 सीटों और सिनेट की 35 सीटों पर चुनाव होना है। फिलहाल रिपब्लिकन पार्टी के पास कांग्रेस के दोनों सदनों में बहुमत है। अगर डेमोक्रेट्स इनमें से किसी एक सदन में भी बहुमत हासिल कर लेते हैं तो ट्रंप के लिए अपने बाकी कार्यकाल में फैसले लेना पहले जितना आसान नहीं रहेगा। अमेरिका में मिड टर्म इलेक्शन राष्ट्रपति के 4 साल के कार्यकाल के बीच में होते हैं। इनमें अक्सर राष्ट्रपति की पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद से सिर्फ दो मिड टर्म इलेक्शन ऐसे रहे जब कांग्रेस को नियंत्रित करने वाली पार्टी ने अपनी सीटें नहीं गवाई। पिछले पांच मिड टर्म इलेक्शन में कम से कम एक सदन का नियंत्रण भी बदल चुका है। यानी सत्ता में बैठी पार्टी के लिए चुनावी नुकसान कोई असामान्य बात नहीं है। इस बार भी चुनावी अनुमान में डेमोक्रेट्स की स्थिति मजबूत दिखाई दे रही है। कुक पॉलिटिकल रिपोर्ट के संस्थापक चार्ली कुक के अनुमान के मुताबिक डेमोक्रेट्स हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पांच से 15 सीटें जीतकर बहुमत हासिल कर सकते हैं। हालांकि सीनेट की तस्वीर ज्यादा अनिश्चित है। वहां बहुमत हासिल करने के लिए डेमोक्रेट्स को कम से कम चार सीटों का शुद्ध फायदा चाहिए। अगर हाउस डेमोक्रेट्स के नियंत्रण में चला गया तो ट्रंप प्रशासन के खिलाफ संसदीय जांच का रास्ता खुल सकता है। ट्रंप के कारोबारी हितों, उनके परिवार से जुड़ी कंपनियों में विदेशी सोवरीन, वेल्थ फंड के निवेश और कथित पे टू प्ले व्यवस्था जैसे मुद्दों की जांच हो सकती है। यानी क्या राजनैतिक पहुंच के बदले किसी कारोबारी या निवेशक को फायदा मिला? यह जांच के संभावित विषय हैं। साबित हो चुके आरोप नहीं है। इसके अलावा हाउस में ट्रंप के खिलाफ महाभियोग की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है। हालांकि महाभियोग का प्रस्ताव लाना और राष्ट्रपति को पद से हटाना अलग–अलग बातें हैं। अमेरिका में मिडटर्म चुनावों से पहले वोटिंग मशीनों और चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को लेकर एक बार फिर बहस गरमा गई है। पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बिना किसी पुख्ता सबूत के चुनावी प्रणाली पर धांधली के आरोप लगाए हैं। जून में कैलिफोर्निया के चुनाव में जब उनके पसंदीदा उम्मीदवार पिछड़ते दिखे, तो उन्होंने वहां की पूरी व्यवस्था को षरिग्डष (धांधली से भरा) बता दिया था। अब उनके कई करीबी सहयोगी वोटिंग मशीनों पर पूरी तरह रोक लगाने और मतपत्रों की हाथों से गिनती कराने की मांग कर रहे हैं। चुनावी विशेषज्ञों का मानना है कि अगर नतीजे उम्मीद के मुताबिक नहीं आते हैं, तो मशीनों में खराबी या फर्जी वोटों के दावों का सहारा लिया जा सकता है। इसका सीधा मकसद चुनाव परिणामों को कानूनी तौर पर चुनौती देना और दोबारा हाथों से गिनती कराने के लिए दबाव बनाना होगा। चुनावी विश्लेषकों और तकनीकी जानकारों के अनुसार, मशीनों के मुकाबले हाथों से वोटों की गिनती करना न सिर्फ बेहद धीमा है, बल्कि सुरक्षा के लिहाज से भी कमजोर है और इसमें मानवीय गलतियों की आशंका ज्यादा रहती है। हालांकि मशीनों में कुछ तकनीकी खामियां हो सकती हैं, लेकिन अब तक ऐसा कोई सबूत सामने नहीं आया है कि इन खामियों के जरिए वोटों में कोई फेरबदल किया गया हो। सबसे बड़ा खतरा वोटों की गिनती के दौरान भ्रम फैलने का है। इस तरह के आरोप सोशल मीडिया और खबरों के जरिए बेहद तेजी से फैलते हैं। भले ही बाद में जांच में ये दावे पूरी तरह गलत साबित हों, लेकिन तब तक ये नतीजों को अदालतों में उलझाने और चुनावी प्रक्रिया पर से जनता का भरोसा डिगाने के लिए काफी होते हैं। मेरिका में 2026 के मध्यावधि (मिडटर्म) चुनावों को लेकर एक और बड़ी चिंता सामने आ रही है। चुनाव नतीजों को बदलने, टालने या पूरी तरह रद्द कराने के लिए अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव बनाना। चुनावी मामलों के जानकार साल 2020 के राष्ट्रपति चुनाव की मिसाल देते हैं। उस दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने जॉर्जिया के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट को फोन कर सीधे तौर पर ष11,780 वोट ढूंढनेष को कहा था, ताकि उनकी हार को जीत में बदला जा सके। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की श्जनवरी 6 कमेटीश की जांच के अनुसार, ट्रंप के वकीलों और सहयोगियों ने मिशिगन, एरिजोना और पेंसिल्वेनिया के राज्य सांसदों पर भी चुनावी नतीजों को पलटने के लिए भारी दबाव डाला था। नियमों के मुताबिक, चुनाव अधिकारी ऐसे अनुचित राजनीतिक दबाव को मानने से इनकार कर सकते हैं। साल 2020 में रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े जॉर्जिया के अधिकारी ब्रैड रैफेंसपर्गर ने ऐसा ही किया था और झुकने से मना कर दिया था। हालांकि, मौजूदा स्थिति पहले से काफी जटिल हो चुकी है। 2020 के चुनाव में कथित धांधली के दावों का समर्थन करने वाले नेता अब 20 राज्यों में ऐसे प्रमुख पदों पर पहुंच चुके हैं, जिनके पास सीधे तौर पर चुनावों की निगरानी का अधिकार है। पिछले चुनावी चक्र में ऐसे अधिकारियों वाले राज्यों की संख्या 17 थी। विशेषज्ञों के अनुसार, इसका सबसे सीधा और गंभीर असर चुनावी नतीजों के आधिकारिक प्रमाणन (सर्टिफिकेशन) पर पड़ सकता है। यदि अधिकारी सर्टिफाइड नतीजों को खारिज करने या प्रमाणीकरण प्रक्रिया को टालने का फैसला करते हैं, तो चुनाव परिणाम गंभीर कानूनी उलझनों और संवैधानिक संकट में फंस सकते हैं।

गंतव्य स्थल से आगे का पर्यटन- भारत की अगली बड़ी छलांग साझेदारी

गजेंद्र सिंह शेखावत

भारत में गंतव्य स्थलों की कभी कोई कमी नहीं रही है। कमी अगर रही है, तो बस उस संस्थागत परिकल्पना की, जिसके जरिये दुनिया इन स्थलों को जानने में सक्षम हो सके, वहाँ पहुँच सके, उन्हें अनुभव कर सके और सबसे जरूरी बातकृ वहाँ बार–बार जा सके। हमारी सांस्कृतिक विरासत बेमिसाल हैरू यहाँ सब कुछ है – प्राचीन शहर और जीवंत परंपराएँ, पवित्र परिदृश्य और वन्यजीव, वास्तुकला और शिल्प, खान–पान और त्योहार, पहाड़ और समुद्र तट, आदि। लेकिन सिर्फ विरासत से ही पर्यटन नहीं बनता। कोई स्मारक अपने–आप में गंतव्य स्थल नहीं होताय एक गंतव्य स्थल असल में एक पूरा इकोसिस्टम होता है। इसमें शामिल हैंकृवहाँ तक ले जाने वाली सड़क, यात्रा से जुड़ी कहानी, यात्रियों का स्वागत करने वाला आतिथ्य, उसे असली पहचान देने वाले कारीगर, उसे खोजने में मदद करने वाली तकनीक और वह समुदाय जिसकी भागीदारी यह तय करती है कि पर्यटन एक आर्थिक अवसर बनेगा या बस एक अनुचित प्रवेश रह जाएगा। इसीलिए भारतीय पर्यटन के अगले अध्याय को सिर्फ 'पर्यटन स्थलों के नजरिए से नहीं, बल्कि साझेदारी के नजरिए से भी तय किया जाना चाहिए। पर्यटन का पुरानी संरचना काफी हद तक ऊपर से नीचे की ओर श्रेणीबद्ध थी। सरकारें अवसंरचना बनाती थीं, गंतव्य स्थलों को बढ़ावा दिया जाता था, उद्योग जगत पर्यटकों के आने–जाने और ठहरने की व्यवस्था करता था और समुदाय काफी हद तक हाशिए पर रहते थे। नयी संरचना सबकी बराबर भागीदारी वाली होनी चाहिए। सरकार, उद्योग जगत, प्रौद्योगिकी कंपनियां, रचनाकार, निवेशक, राज्य, स्थानीय निकाय और समुदायों को मिलकर पर्यटन के अनुभव का निर्माण करना चाहिए। यह फर्क सिर्फ शब्दों का नहीं है। यह विकास को समझने के हमारे नजरिए में एक बुनियादी बदलाव को दिखाता है। आज पर्यटन का मतलब सिर्फ 'लोगों का एक जगह से दूसरी जगह जाना नहीं है। यह विचारों, कहानियों, उम्मीदों, पूंजी और सांस्कृतिक प्रभाव का आवागमन है। यात्री अब सिर्फ भारत को देखना नहीं चाहते, बल्कि उसे अनुभव करना चाहते हैं कृ लोग खान–पान का स्वाद लेना, परंपराओं को समझना, घरों में जाना, कारीगरों से मिलना और यहाँ की जीवंत संस्कृति में, चाहे थोड़ी देर के लिए ही सही, भाग लेना चाहते हैं। यह बदलाव भारत के लिए एक शानदार अवसर लेकर आया है। लेकिन बिना तालमेल के अवसर का लाभ शायद ही मिल पाता है। इसलिए सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है, भले ही यह बदलती रहती हो। इसकी जिम्मेदारी सब कुछ खुद करने की नहीं हैय बल्कि ज्यादा चीजों को संभव बनाने की है। सड़कों, हवाईअड्डों, रेलवे, स्वच्छता, डिजिटल अवसंरचना, विरासत संरक्षण और नागरिक सुविधाओं में सरकारी निवेश वह आधार तैयार करता है, जिस पर निजी क्षेत्र नवाचार और निवेश कर सकता है। राजनीतिक इच्छाशक्ति निरंतरता और दिशा देती है। उद्योग जगत पूंजी, प्रबंधन विशेषज्ञता, तकनीक और बाजार तक पहुंच में योगदान देता है। समुदाय वह चीज देते हैं, जिसे कोई सरकार या निगम नहीं बना सकतारू प्रामाणिकता। उद्योग जगत के साथ पर्यटन मंत्रालय का बढ़ता जुड़ाव इसी दिशा में एक प्रयास है। ग्यारह रणनीतिक समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप दिया गया है, जिनमें से पांच का विश्व पर्यटन दिवस 2026 को आदान–प्रदान हुआ है। उनका महत्व केवल दस्तावेजों को लेकर नहीं है, बल्कि उन क्षमताओं में है, जिन्हें वे जोड़ना चाहते हैं – प्रौद्योगिकी, आवागमन, आतिथ्य, कंटेंट, डिजिटल आउटरीच और स्थानीय उद्यम। एक पीढ़ी पहले, किसी यात्री को यात्रा गाइड या विज्ञापन के माध्यम से भारत की जानकारी मिलती होगी। आज, एक गंतव्य स्थल एक फिल्म, एक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, एक रचनाकार की कहानी या मोबाइल फोन में सामने आई एक छवि के माध्यम से वैश्विक परिकल्पना में प्रवेश कर सकता है। नेटफ्लिक्स के साथ सहयोग गंतव्य प्रचार की इस नई व्यवस्था को प्रदर्शित करता है, जो भारत की संस्कृति, वन्य जीवन और पहाड़ी परिदृश्यों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों के सामने दिखाती है। आईटीबी बर्लिन 2026 में प्रदर्शित भारत के स्वाद और लंदन व न्यूयॉर्क में प्रचार अभियान यह दर्शाते हैं कि कैसे पर्यटन का भूगोलय कहानी कहने के भूगोल से पहले ही महत्वपूर्ण हो जाता है। यहीं पर अगली पीढ़ी की साझेदारी महत्वपूर्ण हो जाती है। मास्टरकार्ड के साथ विकसित परियोजना वाराणसी बहुमूल्य, विज्ञापन से परे एक ऐसे अनुभव की ओर बढ़ता है, जिसे वास्तव में खोजा और आरक्षित किया जा सकता हैरू सूर्योदय के समय गंगा, शास्त्रीय संगीत, साहित्य पर बातचीत, बनारसी बुनकर समुदाय और विरासत स्थल। इस तरह की पहल का महत्व यह है कि वाराणसी को फोटो खिंचवाने वाले स्मारक के रूप में नहीं, बल्कि अनुभव की जाने वाली सभ्यता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। इस अंतर की जानकारी हमारी संपूर्ण पर्यटन रणनीति को दी जानी चाहिए। हवाई संपर्क भी इस व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। एलायंस एयर, एयर इंडिया और इंडिगो के साथ साझेदारी अतुल्य भारत को यात्री इकोसिस्टम में विस्तार देती है, जिससे उड़ानों, डिजिटल प्लेटफार्मों और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में गंतव्य को बढ़ावा मिलता है। भविष्य की पर्यटन प्रणाली को तेजी से समझना होगा कि कौन यात्रा कर रहा है, यात्री क्या चाहते हैं, मांग कहां उभर रही है और प्राथमिकताएं कैसे बदल रही हैं। गूगल इंडिया के साथ सहयोग, जिसमें क्षमता निर्माण और वैश्विक यात्रा मांग व यात्री व्यवहार को समझने से जुड़े कार्य शामिल है, एक पर्यटन नीति की ओर इशारा करता है, जो उत्तरोत्तर अधिक साक्ष्य–आधारित बन सकती है। फिर भी सबसे परिणामी परिवर्तन पारंपरिक पर्यटन केंद्रों से बहुत दूर हो सकता है। यदि पर्यटन को वास्तव में समावेशी बनाना है, तो गाँव को पर्यटन नीति के लिए उतना ही महत्वपूर्ण बनाना होगा जितना कि महानगरीय प्रवेश द्वार। होमस्टे, होटल जैसा ही महत्वपूर्ण हो सकता है। कारीगर उतना ही महत्वपूर्ण हो सकता है जितना आकर्षण। स्थानीय उद्यमी बड़े संचालकों के समान ही महत्वपूर्ण बन सकते हैं। एयरबीएनबी, सोल ऑफ इंडिया और मेकमाईट्रिप की साझेदारियां अवसर के इसी लोकतंत्रीकरण की दिशा में प्रयास कर रही हैं – होमस्टे मेजबानों को डिजिटल क्षमताओं से लैस करना, कम–ज्ञात गंतव्यों को अधिक दृश्यता देना, अनजान गांवों को रचनाकारों और आरक्षण योग्य रहने की जगहों से जोड़ना। इसके पीछे एक गहरी सोच हैरू जब कोई स्थल किसी यात्री की कल्पना में बसता है, तो उससे पैदा होने वाले आर्थिक मौके उन लोगों की जिंदगी में भी आने चाहिए, जो उस स्थल को पहचान देते हैं। यही पर्यटन से होने वाले विकास की असली कसौटी है। सिर्फ आने वाले पर्यटकों की संख्या ही सफलता का पैमाना नहीं हो सकती। हमें एक और जरूरी सवाल पूछना चाहिएरू जब कोई स्थल सफल होता है, तो फायदा किसे होता है? क्या कारीगर ज्यादा कमाता है? क्या युवा को स्थानीय स्तर पर कोई अवसर मिलता है? क्या महिला उद्यमी को बाजार मिलता है? क्या समुदाय को अपनी सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को बचाने का प्रोत्साहन मिलता है? क्या यात्री सिर्फ एक फोटो लेकर नहीं, बल्कि गहरी समझ लेकर वापस जाता है? अगर इन सवालों का जवाब श्हाँश में है, तो पर्यटन सिर्फ एक उद्योग नहीं रह जाता। यह सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सबके लिए आर्थिक विकास का जरिया बन जाता है।

अर्श सिटी में गूंजे माता के जयकारे, श्माता की चौकीश में झूम उठे श्रद्धालु!

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अर्श सिटी वेलफेयर सोसाइटी में आज भक्ति का ऐसा रंग बिखरा कि हर कोई माता रानी की भक्ति में सराबोर हो गया। सोसाइटी परिसर में आज भव्य श्माता की चौकीश का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धा, उत्साह और उल्लास का अनोखा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत अखंड ज्योति प्रज्वलन और माता रानी के पावन भजनों के साथ हुई। जैसे ही भजनों की धुन गूंजी, पूरा पंडाल श्जय माता दीश के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। कॉलोनी के सामूहिक सहयोग की दिखी

मिसाल इस भव्य कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि यह कॉलोनी के सभी निवासियों के आपसी सहयोग से संपन्न हुआ। पूरी सोसाइटी ने मिलकर कंधे से कंधा मिलाकर व्यवस्था संभाली, जो आज के समय में आपसी भाईचारे की एक अनूठी मिसाल है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, सबने दिखाया भारी उत्साह इस धार्मिक अनुष्ठान में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। महिलाओं ने जहां माता के भजनों पर जमकर नृत्य किया और ताली बजाकर समां बांध दिया, वहीं बुजुर्गों और बच्चों का उत्साह भी देखते ही बन रहा था। भक्ति के इस माहौल ने पूरी सोसाइटी को एक परिवार के रूप में पिरो दिया। देर रात तक चले इस भक्तिमय कार्यक्रम के बाद श्रद्धालुओं में माता का पवित्र प्रसाद वितरित किया गया। सोसाइटी के गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कॉलोनी के प्रत्येक सदस्य का दिल से आभार व्यक्त किया। वाकई, आज अर्श सिटी का माहौल पूरी तरह से मातामयी और अलौकिक नजर आया।

रमेश चन्द श्रीवास्तव बने कायस्थ महासभा 5680 जौनपुर जिलाध्यक्ष

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 5680 भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनूप श्रीवास्तव पै जी के संस्तुति पर कायस्थ महासभा 5680 के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रिगेडियर अनिल श्रीवास्तव टैड (त्ज) ने जौनपुर सुंदर नगर कॉलोनी निवासी, पूर्व प्रशासनिक अधिकारी कलेक्ट्रेट जौनपुर रमेश चन्द श्रीवास्तव जी को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 5680 जौनपुर का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है और आशा व्यक्त किया है कि कायस्थ महासभा 5680 जौनपुर संगठन मजबूत करने में योगदान देंगे। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा 5680 जौनपुर के मनोनीत जिलाध्यक्ष रमेश चन्द श्रीवास्तव पूर्व प्रशासनिक अधिकारी ने कहा है संगठन ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे निष्ठापूर्वक पूरा करूंगा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अनूप श्रीवास्तव पै जी का आभारी हूं और कायस्थ समाज के हित के लिए संगठन कार्य करेगा एवं श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर द्वारा आयोजित 11 नवम्बर को भगवान चित्रगुप्त जी शोभायात्रा में कायस्थ महासभा 5680 के सभी सदस्य शामिल होंगे। अखिल भारतीय कायस्थ

महासभा 5680 जौनपुर का जिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर रमेश चन्द श्रीवास्तव पूर्व प्रशासनिक अधिकारी को लोगो ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं बधाई दिया। शुभकामनाएं बधाई देने वाले में सरस चन्द श्रीवास्तव वरिष्ठ अधिवक्ता संयोजक श्री चित्रगुप्त भगवान पूजन महासमिति जौनपुर,रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव अध्यक्ष श्री चित्रगुप्त सभा जौनपुर,दयाल सरन श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष अखिल भारतीय चित्रांश महासभा,डॉ उमाकांत श्रीवास्तव प्रिंसिपल साहब जिलाध्यक्ष ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस,मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट जिलाध्यक्ष कायस्थ महासभा 7235 जौनपुर, गिरिजेश कुमार श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष राष्ट्रीय कायस्थ महापरिषद, दयाशंकर निगम जिलाध्यक्ष कायस्थ एकता मंच, अजय वर्मा अज्जू जिला अध्यक्ष कायस्थ संघ अंतर्राष्ट्रीय, मनोज वर्मा जिलाध्यक्ष कायस्थ महासभा जौनपुर, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव दीपक वरिष्ठ पत्रकारध्राष्ट्रीय प्रवक्ता, अंकित श्रीवास्तव पत्रकार, अनिल श्रीवास्तव सह संयोजक संगत पंगत जौनपुर, संतोष श्रीवास्तव संयोजक कलम दवात संघ जौनपुर, सहित राकेश श्रीवास्तव, दिनेश चन्द श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, डॉ संजय श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, चंद्रमोहन श्रीवास्तव, शशि श्रीवास्तव गुड्डू, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, विनय श्रीवास्तव एडवोकेट, प्रशांत पंकज श्रीवास्तव, शिव शंकर श्रीवास्तव, बबलू श्रीवास्तव, अमित कुमार श्रीवास्तव, गौरव श्रीवास्तव, गणतंत्र श्रीवास्तव, राजीव श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, सतीश निगम, विजय निगम, संदीप अस्थाना, दिलीप श्रीवास्तव, अखिलेश श्रीवास्तव बबलू, राकेश श्रीवास्तव पूर्व प्रशासनिक अधिकारी, प्रदीप श्रीवास्तव एडवोकेटसहित अनेक संगठनों ने शुभकामनाएं बधाई दिया।

भाजपा और बसपा के कई पूर्व विधायक समेत अनेक नेता समाजवादी पार्टी में शामिल

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व और पार्टी की नीतियों में आस्था जताते हुए भाजपा और बहुजन समाज पार्टी के कई पूर्व विधायक, पूर्व प्रत्याशी तथा अन्य नेता गुरुवार को समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए। इनमें मुरादाबाद के भाजपा के पूर्व विधायक राजीव चन्ना, मनमोहन सिंह सैनी, कटरा बाजार के ब्लॉक प्रमुख भवानी भीख शुक्ला, पूर्व केंद्रीय मंत्री बीपी मौर्य के पुत्र अक्षय मौर्य, कुंडा क्षेत्र के भाजपा नेता योगेंद्र नाथ मिश्रा, बाबागंज से भाजपा के पूर्व प्रत्याशी केशव पासी, मेरठ के बसपा के पूर्व विधायक विनय कुरानी, खुर्जा के पूर्व विधायक चंद्रपाल सिंह और सेवता विधानसभा क्षेत्र के बसपा के पूर्व प्रत्याशी आशीष प्रताप सिंह प्रमुख हैं।इनके अलावा बुलंदशहर के बसपा नेता नरेंद्र प्रताप सिंह और लक्ष्मण सैनी, विष्णु भगवान शुक्ल और शंकर भगवान शुक्ल सहित बड़ी संख्या में समर्थकों के साथ सपा में शामिल हुए।

मेडिकल कालेज जौनपुर में नवप्रवेशित छात्रों का ''कैडवर शपथ'' समारोह का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, जौनपुर के प्रधानाचार्य प्रो0 आर0बी0 कमल के दिशा निर्देश में एनाटॉमी विभाग की विभागाध्यक्ष, प्रो0 भारती यादव ने दिनांक 17 अक्टूबर, 2026 को एम0बी0बी0एस0 बैच 2026 के नवप्रवेशित विद्यार्थियों को कैडवर शपथ दिलाई। एनाटॉमी विभाग की वरिष्ठ आचार्य व चीफ प्रॉक्टर प्रो0 रूचिरा सेठी ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि कैडवर शपथ चिकित्सा शिक्षा का अत्यंत पवित्र एवं भावनात्मक क्षण होता है। यह न केवल विद्यार्थियों को चिकित्सा विज्ञान की आधारशिला–मानव शरीर रचना के अध्ययन की ओर अग्रसर करता है, बल्कि उन्हें मानवता, करूणा और नैतिकता के मूल्यों से भी जोड़ता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक जीवित गुरू हमें ज्ञान का मार्ग दिखाता है, उसी प्रकार कैडावर–अर्थात् शरीर दान करने वाला व्यक्ति– चिकित्सा विद्याार्थियों का ''प्रथम गुरू'' होता है। हमें उनके प्रति सम्मान, संवेदना और कृतज्ञता का भाव सदैव बनाए रखना चाहिए। उन्होंने सभी विद्याार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकानाएं देते हुए कहा कि ''यह शपथ केवल अध्ययन की शुरूआत नहीं, बल्कि एक आजीवन दायित्व की याद दिलाती है–मानवता की सेवा।'' 'एनाटॉमी विभाग की विभागाध्यक्ष, प्रो0 भारती यादव ने कहा कि' कैडवर शपथ चिकित्सा शिक्षा का सबसे पवित्र परंपराओं में से एक है। यह न केवल विद्याार्थियों को चिकित्सा विज्ञान की प्रारंभिक जानकारी देती है, बल्कि उन्हें अनुशासन, संवेदना और मानवता का भी पाठ पढ़ाती है। उन्होंने कहा कि जिन व्यक्तियों ने शरीर दान किया है वे वास्तव में चिकित्सा शिक्षा के सच्चे प्रेरणाश्रोत हैं। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे इन कैडावर्स के प्रति गहरी श्रद्धा और कृतज्ञता का भाव रखें तथा अध्ययन के प्रत्येक चरण में अनुशासन और मर्यादा का पालन करें। विभागाध्यक्ष ने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने व्यावसायिक जीवन में न केवल एक कुशल चिकित्सक बनें बल्कि एक संवेदनशील और नैतिक डॉक्टर के रूप में समाज की सेवा करें।

'एनाटामी विभाग की सहायक आचार्य डा0 अर्चना चौधरी एवं डा0 प्रियंका सिंह ने संयुक्त रूप से संबोधान में कहा' कि कैडवर प्रत्येक चिकित्सा विद्यार्थी के लिए ''मौन गुरू'' के समान है, जो उन्हें मानव शरीर की गहराइयों को समझने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि शरीर दान करने वाले व्यक्ति का यह महान योगदान मानवता की सर्वोच्च मिसाल है। विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अध्ययन के दौरान इन कैडावर्स के प्रति सम्मान, संवेदना और कृतज्ञता का भाव बनाए रखें। इस अवसर पर डा0 मतीन अहमद खान, डा0 सैयद मो0 उस्मान खान, डा0 दिग्वेश यादव, डा0 रिफत जहा, डा0 सकीना बानो एवं कर्मचारी जनमेजय, सतीश , मदन, रामअचल, बृजेश ,रामसिंह , सुलभ , साधना , मनीषा एवं नवप्रवेशित छात्रध्छात्राएं उपस्थित रहें।

जमीन विवाद में किसान ने खुद को लगाई आग, 40 फीसदी झुलसा

वीडियो बनाकर पड़ोसियों और पुलिस पर लगाए आरोप, डीएम ने जांच के दिए निर्देश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के लाइन बाजार थाना क्षेत्र के परियावा गांव में जमीन विवाद से परेशान एक किसान ने शनिवार सुबह खुद को आग लगा ली। घटना में 35 वर्षीय दिनेश कुमार मौर्य गंभीर रूप से झुलस गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिलाधिकारी डॉ. सैमुअल पॉल एन. ने बताया कि किसान करीब 40 प्रतिशत झुलसा है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को बेहतर उपचार उपलब्धा कराने और राजस्व अधिकारियों को मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। आग लगाने से पहले किसान ने एक वीडियो बनाया, जिसमें पड़ोसियों और पुलिस प्रशासन पर आरोप लगाए। उनका दावा है कि उनकी निजी जमीन पर जबरन रास्ता बनवाया जा रहा था। दिनेश के मुताबिक, शुक्रवार को वह अपनी बहन को बीएचयू में भर्ती कराने गए थे। इसी दौरान ग्राम प्रधान ने उनकी जमीन पर सड़क निर्माण शुरू करा दिया। उनकी पत्नी और बेटे ने इसका विरोध किया तो कथित तौर पर पुलिस ने उनके साथ अभद्रता की और मोबाइल छीन लिया। शनिवार सुबह घर लौटने पर दिनेश को निर्माण कार्य की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने वीडियो बनाकर अपनी परेशानी बताई और खुद को आग लगा ली। घटना में उनके हाथ, पैर और गर्दन झुलस गए।

''पंचायत में बनी थी रास्ता बनाने की सहमति''

डीएम ने बताया कि प्रारंभिक जांच के अनुसार, 14 अक्टूबर को ग्राम प्रधान की अध्यक्षता में पंचायत हुई थी। इसमें ग्रामीणों के इस्तेमाल के लिए करीब 300 मीटर रास्ता बनाने पर सहमति बनी थी। राजस्व अभिलेखों और नक्शे में संबंधित स्थान पर रास्ता दर्ज नहीं है, बल्कि वह काश्तकारी भूमि है। प्रशासन के अनुसार, शुरुआत में सहमति बनने के बाद 15 अक्टूबर को पक्षों के बीच कहासुनी हुई और विवाद बढ़ गया। इसके बाद निर्माण कार्य को लेकर असहमति पैदा हुई। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसीलदार, नायब तहसीलदार और राजस्व कर्मचारियों को मौके पर भेजकर जांच कराई जा रही है। पंचायत में राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी नहीं थी। ग्राम पंचायत अधिकारी की भूमिका और पूरे घटनाक्रम की भी जांच के निर्देश दिए गए हैं। डीएम ने कहा कि यदि किसी की निजी जमीन पर जबरन रास्ता बनाने की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की प्राथमिकता किसान का बेहतर उपचार सुनिश्चित करना और विवाद का नियमानुसार समाधान कराना है।

कबुलपुर में नारद मोह लीला का हुआ मंचन, अभिमान टूटने का प्रसंग देख भावविभोर हुए दर्शक

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित जफराबाद क्षेत्र के कबुलपुर बाजार में शुक्रवार की रात श्री दया नारायण लीला समिति के कलाकारों ने नारद मोह प्रसंग का मंचन किया। रात नौ बजे से मध्यरात्रि तक चले मंचन में कलाकारों ने नारद के अभिमान और उसके टूटने की कथा को जीवंत किया। लीला देखकर दर्शक भावविभोर हो उठे। मंचन में दिखाया गया कि नारद मुनि की घोर तपस्या से इंद्र का सिंहासन डोलने लगा। इंद्र ने तपस्या भंग करने के लिए पहले अपने गणों और फिर कामदेव को भेजा, लेकिन सभी विफल रहे। इसके बाद नारद मुनि स्वयं तपस्या छोड़कर भगवान विष्णु के पास पहुंचे और उनसे हरि का रूप मांगने लगे। भगवान विष्णु ने उन्हें तथास्तु का वरदान दे दिया। इसके बाद नारद मुनि स्वयंवर में पहुंचे, जहां उनके वानर रूप को देखकर राजा हंसने लगे। अपना रूप देखकर नारद क्रोधित हो गए और भगवान विष्णु को श्राप दे दिया। बाद में सच्चाई का पता चलने पर उन्हें अपनी भूल का एहसास हुआ। उन्होंने भगवान विष्णु से क्षमा मांगी। इस प्रसंग के माध्यम से कलाकारों ने संदेश दिया कि अभिमान व्यक्ति के विवेक को प्रभावित करता है और सत्य का बोध होने पर उसे अपनी भूल स्वीकार करनी चाहिए। लीला में नारद की भूमिका जानकी, इंद्र की ज्ञानेश श्रीवास्तव, कामदेव की अजय वनवंशी, विष्णु की सूरज श्रीवास्तव, विश्वमोहिनी की आदित्य, जागरूक की अशोक गुप्ता और संतरी की भूमिका मोनू गुप्ता ने निभाई। आनंदी की भूमिका शिवेंद्र श्रीवास्तव रोमी ने निभाई। इस अवसर पर योगेश श्रीवास्तव, प्रदीप श्रीवास्तव, संजय यादव, पिंटू श्रीवास्तव, भूपेश श्रीवास्तव, कमर आरिफ खान, प्रेमचंद्र मोदनवाल और राम आसरे मिश्रा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

पारम्परिक एवं ऊर्जा से भरपूर लोक नृत्य है डांडिया – डा. स्वाती यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। डांडिया देश के गुजरात एवं राजस्थान राज्यों का एक प्रसिद्ध, पारम्परिक और ऊर्जा से भरपूर लोक नृत्य है। यह मुख्य रूप से शारदीय नवरात्रि पर बड़े उत्साह के साथ किया जाता है। उक्त बातें नगर के मोहल्ला नखास में आयोजित भव्य डांडिया महोत्सव पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित डा. स्वाती यादव रेडियोलॉजिस्ट डायग्नोसिस दुर्गा डायग्नोस्टिक्स जौनपुर ने कहीं। लोटस लेडीज हब एवं नवीन नव दीप संस्था द्वारा आयोजित डांडिया महोत्सव में निर्णायक मण्डल के रूप में उपस्थित प्रीति गुप्ता अध्यक्ष सखी वेलफेयर फाउण्डेशन एवं जिलाध्यक्ष भाजपा महिला मोर्चा ने कहा कि डांडिया नृत्य मूल रूप से देवी दुर्गा और राक्षस महिषासुर के बीच हुये युद्ध का प्रतीक माना जाता है। इसमें उपयोग होने वाली रंगीन और सजायी गयी लकड़ी या बांस की छड़ें (डांडिया) देवी दुर्गा की तलवारों का प्रतिनिधित्व करती हैं। वहीं उर्वशी सिंह अध्यक्ष अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट ने कहाद्य कि इस नृत्य की जड़ें भगवान कृष्ण की रासलीला से भी जुड़ी हैं। श्री कृष्ण वृन्दावन में गोपियों के साथ बांसुरी की धुन पर रास रचाते थे जो बाद में गुजरात की संस्कृति में विकसित हुआ। रागिनी सिंह अधिष्ठाती तेजस कलर लैब डांडिया मुख्य रूप से आरती के बाद उल्लास, उत्सव और ताल–मेल के साथ छड़ियां टकराते हुए खेला जाता है। यह नृत्य समाज के सभी वर्ग के लोगों को एक घेरे में जोड़ता है। रंग–बिरंगे पारम्परिक परिधान (जैसे चनिया चोली और केडिया), ढोल–नगाड़ों की थाप और ताल से ताल मिलाते कदम माहौल को पूरी तरह ऊर्जावान बना देते हैं। इस मौके पर आये लोगों का स्वागत शिपाली जायसवाल ने किया तो संचालन ज्योति जायसवाल ने किया। वहीं आयोजिका विदिशा जायसवाल ने समस्त आगंतुकों व सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन को सफल बनाने में वैष्णवी जायसवाल, मुस्कान विश्वकर्मा, माला जायसवाल, बृजबाला, तेजस्वी, तेजस्वी, स्वाती जायसवाल, आयुषी सरोज सहित तमाम लोगों का सहयोग सराहनीय रहा। महोत्सव में प्रथम, द्वितीय, तृतीय के अलावा समस्त प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। यह सम्मान मंचासीन अतिथि डा. स्वाती यादव, उर्वशी सिंह, प्रीति गुप्ता, रागिनी सिंह, सपा नेत्री उषा जायसवाल एवं सोना बैंकर्स पूर्व अध्यक्ष लायनेस क्लब ने दिया। साथ ही सभी ने डांडिया खेलकर बच्चियों को प्रेरित भी किया। डांडिया महोत्सव को 3 चरणों में विभाजित किया गया था जिनमें परिधान, एकल एवं युगल था। परिधान में आन्या प्रथम, मानवी जायसवाल द्वितीय, मानवी विश्वकर्मा तृतीय आयी। वहीं एकल में सिद्धि विश्वकर्मा प्रथम, सुखमनी कौर द्वितीय, परी गुप्ता तृतीय आयी। साथ ही युगल में देविकाकृभूमि प्रथम, आराध्याकृआयुष द्वितीय, उन्नतिकृआराध्या तृतीय आये। महोत्सव में तमाम बच्चियों ने प्रतिभाग किया जिनमें अनन्या, छवि, कुमकुम, संध्या, पीहू, आनवी, प्रिया, रतना, आरती, परी, शीतल, नीलू, सानवी, वैष्वी, श्रुति, अर्पिता, जसप्रीत, खुशी, उन्नति, छवि, श्रेया, अंशिका, शिवानी, रोशनी आदि को सांत्वना पुरस्कार मिला।

कालरात्रि के दिन श्री मां आधाशक्ति दक्षिणा काली माता का हुआ भव्य श्रृंगार

मां काली श्रृंगार दर्शन के लिये उमड़े भक्त

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर।शहर के सिटी स्टेशन ओवर ब्रिज के समीप स्थित मंदिर में श्री मां आद्याशक्ति दक्षिणा काली की विशाल प्रतिमा अत्यन्त मनोहारी है। पूर्वान्चल में ऐसे आकर्षक भव्य कालिका धाम मंदिर की महिमा अत्यन्त निराली है। यहां माँ का दर्शन पूजन एवं श्रद्धा समर्पण करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। सप्तम कालरात्रि शनिवार को सुबह मां दघक्षिणा काली का भव्य श्रृंगार कर पूजन अर्चन आरती करके पट खोल दिया गया। इसके बाद भक्तों में प्रसाद का वितरण हुआ। सुबह से लेकर देर रात्रि तक मां काली का दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ लगी रही। शारदीय नवरात्र सप्तमी के दिन नव दुर्गा का सांतवां स्वरूप कालरात्रि है। मां दक्षिणा काली के दर्शन करने के लिए दूर–दराज से लोग काफी संख्या में यहां पर आते हैं। यहां पर नवरात्र के पहले दिन से ही मां भक्तों की भारी भीड़ पहुंच रही है। कालरात्रि का दिन माँ दक्षिणा काली का भव्य श्रृंगार किया गया। दर्शन के लिए आए श्रद्धालु नारीयल, चुनरी व अड़हुल की माला अर्पित कर हाजिरी लगाए। मां के जयकारे व घंटे घड़ियाल की ध्वनि से पूरा वातावरण जागृत हो गया। कालरात्रि के दिन दक्षिणा काली मंदिर पर कवित्री विभा तिवारी व प्रिया सिंह के नेतृत्व में महिलाओं ने देवी पचरा गीत गाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मंदिर के प्रधान पुजारी भगवती सिंह 'वागीश' ने बताया कि इस मंदिर की स्थापना सन् 1984 में हुई। यह स्थलीय काली जी की सनातनी सिद्धपीठ है। मां काली की उपासना से मानव जीवन में सुख शांति, आरोग्यता,शत्रु नाश होता है। अतः कलयुग में काली जी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती है। इस दौरान भाजपा महामंत्री पियूष गुप्ता, राम अवतार यादव,ओम प्रकाश जायसवाल, दलसिंगार विश्वकर्मा, रामपाल , एसपी सिंह जाम, वेद प्रकाश सिंह एडवोकेट, पप्पू सिंह,अमित निगम, दीपक श्रीवास्तव, संतोष चतुर्वेदी, मनीष सोनकर, विक्रम गुप्त,सर्वेश सिंह,भानु मौर्या, विपिन सिंह व वंदेश सिंह मौजूद रहे।

शीतला चौकियां धाम में मां कालरात्रि के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, सुबह नौ बजे तक सात हजार ने टेका माथा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर स्थित पूर्वांचल के प्रमुख आस्था केंद्र मां शीतला चौकियां धाम में शारदीय नवरात्र की महासप्तमी पर शनिवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मां दुर्गा के सातवें स्वरूप मां कालरात्रि के दर्शन–पूजन के लिए भोर से ही भक्तों की कतारें लग गईं। सुबह नौ बजे तक करीब सात हजार श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में मत्था टेका और परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की। मंदिर के कपाट भोर चार बजे खुलने के बाद मां शीतला का भव्य श्रृंगार किया गया। मंदिर के महंत विनय त्रिपाठी ने विधि–विधान से आरती–पूजन किया। ब्रह्म मुहूर्त से ही दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालु कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए। दर्शन–पूजन के दौरान मंदिर परिसर दुर्गा सप्तशती के पाठ, वैदिक मंत्रोच्चार, हवन और माता के जयकारों से गूंज उठा। घंटों की ध्वनि से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। नवरात्र के सातवें दिन मां कालरात्रि की पूजा–अर्चना का विशेष महत्व है। श्रद्धालुओं ने विधि–विधान से पूजन कर माता को प्रसाद अर्पित किया। पूर्वांचल के विभिन्न जिलों से पहुंचे भक्तों ने मुंडन संस्कार और कढ़ाही पूजन सहित धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। इसके बाद माता के चरणों में शीश झुकाकर सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की। मान्यता है कि मां कालरात्रि अपने भक्तों के भय और संकट दूर कर उन्हें अभय प्रदान करती हैं। इसी विश्वास के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां के दरबार में पहुंचे और दर्शन–पूजन किया।

अयोध्या में विश्व निश चेतना दिवस पर AI और एडवांस ANESTHESIA पर गोष्ठी का आयोजन किया गया

अयोध्या (DKU live ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या शहर की कृष्णा होटल पैलेस मे एक गोष्ठी का आयोजन किया गया, जो इंडियन सोसाइटी ऑफ अनेस्थसिलॉजी के तत्वाधान मे संपन्न हुई. जिसमे डॉ. ए के श्रीवास्तव (अध्यक्ष) डॉ. मुकेश गौतम (सचिव) मुख्य अतिथि, डॉ. देवेंद्र कुमार वितौलिए (CMO आयोध्या). डॉ.सी के पांडेय (गेस्ट ऑफ होनर) डीन ILBS दिल्ली डॉ. खुश्बू शर्मा, डॉ. नेहा सिंह, डॉ. आर के.पी. सिंह, डॉ. फिरोज, डॉ. रमेश, डॉ. अभिषेक, डॉ. वेद प्रकाश, डॉ. रिद्धिमा, डॉ. अलीशा, डॉ. अमित, डॉ. ज्ञानम, डॉ. राजेंद्र चौधरी, डॉ. शिशिर, डॉ. निधि, डॉ. शालिनी, डॉ. संतोष, डॉ. अर्पिता, डॉ. अमन आदि लोग उपस्थित रहे स AI और एडवांस ANESTHESIA पर विचार विमर्श हुआ व ANESTHESIA की न्यू टेक्नोलॉजी का पेशेंट शेफटी को ध्यान मे रखते हुए निःसचेतना पर मंथन हुआ जिससे रोगी और भी बेहतर सुविधा का लाभ उठा सके।

सीवर कर्मियों को प्रशिक्षित करने अयोध्या पहुंची नमस्ते की टीम

नगर निगम अधिकारियों संग मऊ शिवाला स्थित कचरा निस्तारण केंद्र का लिया जायजा

अयोध्या (DKU live ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। अयोध्या में सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई करने वाले श्रमिकों की सुरक्षा और सामाजिक–आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए केंद्र सरकार की नेशनल एक्शन फार मैकेनाइज्ड सैनिटेशन इकोसिस्टम (नमस्ते) योजना के तहत अयोध्या नगर निगम में प्रोफाइलिंग कैंप एवं कार्यशाला आयोजित की गई। इसके लिए केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय की तीन सदस्यीय टीम अयोध्या पहुंची। पर्यावरण परिवर्तन विशेषज्ञ मितावच्चन, सामाजिक सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ. अपराजिता विश्वास, पर्यावरण विशेषज्ञ मिथुन विश्वास शामिल थे। राम मंदिर का दर्शन करने के बाद टीम रायबरेली रोड स्थित मंडपम गेस्ट हाउस पहुंची। यहां अपर आयुक्त भारत भार्गव की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में टीम के सदस्यों ने सीवर एवं सेफ्टी टैंक की सफाई कार्य में लगे श्रमिकों से संवाद किया। इस मौके पर नगर निगम में कार्यरत सीवर स्वच्छता कर्मियों का विवरण और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी सहायक नगर आयुक्त गुरुप्रसाद पांडेय ने रखी। उन्होंने टीम के सदस्यों का परिचय सफाई कर्मियों से कराया। कार्यशाला का संचालन क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक वैभव पांडेय ने किया। कार्यशाला में श्रमिकों की प्रोफाइलिंग की प्रक्रिया, सुरक्षा मानकों तथा सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई में आधुनिक मशीनों के इस्तेमाल की जानकारी दी गई। आपात स्थिति में बरती जाने वाली सतर्कता से भी श्रमिकों को परिचित कराया गया। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडेय ने बताया कि टीम के सदस्यों ने मऊशिवाला में चिंतन संस्था द्वारा संचालित एमआरएफ सेंटर (वैज्ञानिक विधि से कचरा निस्तारण केंद्र) का निरीक्षण कर सराहना की।

गुवाहाटी में आयोजित कार्यशाला में अयोध्या के 5 शिक्षकों ने किया प्रतिभाग

अयोध्या।साँस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र, नई दिल्ली के क्षेत्रीय केन्द्र गुवाहाटी में आयोजित ष्हमारी सांस्कृतिक विविधता ८ विषय पर कार्यशाला में भारत वर्ष के कुल 18 राज्यों ने प्रतिभाग किया। जिसमे आंध्रप्रदेश,अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, जम्मू–कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, नागालैंड, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और और पश्चिम बंगाल शामिल रहे। उत्तर प्रदेश राज्य से जनपद अयोध्या से डॉ अम्बिकेश त्रिपाठी, कृष्ण कुमार त्रिपाठी, डा रण जीत सिंह, ऋचा उपाध्याय और मांडवी सिंह ने प्रतिभाग किया। इनके साथ ही गाजीपुर से प्रीति सिंह ने भी इस कार्यशाला में प्रतिभाग किया।इस सांस्कृतिक विविधता की कार्यशाला में सभी 18 राज्यों के प्रतिभागियों ने अपने राज्य की कला, संस्कृति, संगीत और एतिहासिक धरोहर के विषय में प्रस्तुतिकरण करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अयोध्या टीम ने उत्तर प्रदेश की समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक धरोहरों को प्रस्तुत किया। इस कार्यशाला के दौरान सभी प्रतिभागियों ने पेंटिंग, आर्ट कला, संगीत, और संस्कृति के साथ–साथ पपेट बनाना सीखा, जिससे बच्चों को सहज, सरल और रोचक ढंग से उनके अधिगम को प्राप्त कराने में सहायता मिलेगी।

एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में नगर विकास और ऊर्जा विभाग की भूमिका बढ़ाने पर जोर

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति देने के लिए नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने दोनों विभागों के योगदान को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गुरुवार को संगम सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों से कहा कि विभागीय योजनाओं, परियोजनाओं और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि इस दिशा में तेजी से काम करना होगा, ताकि अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में नगर विकास और ऊर्जा विभाग की भूमिका का विस्तार हो सके।नगर विकास विभाग की समीक्षा के दौरान बताया गया कि प्रदेश के नगर निगमों और नगरीय निकायों के राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है। विभिन्न विकास परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के लिए भी काम में तेजी लाई जा रही है। इस पर मंत्री ने कहा कि नगरीय निकायों की आय बढ़ाने के साथ विकास परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना जरूरी है। इससे शहरों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।मंत्री ने प्रदेश के शहरों को वैश्विक स्तर के आधुनिक नगरों की श्रेणी में पहुंचाने के लिए व्यापक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकसित देशों के आधुनिक शहरों में अपनाए जा रहे मानकों, व्यवस्थाओं और कार्यप्रणालियों का अध्ययन किया जाए।

स्टडी हॉल कॉलेज में उत्साह और उमंग के साथ मनाई गई डांडिया नाइट 2026

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल कॉलेज ने अपने वार्षिक सांस्कृतिक समारोह 'डांडिया नाइट 2026' का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों, शिक्षकों, पूर्व विद्यार्थियों और समुदाय के सदस्यों ने भाग लिया तथा भारत की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का उत्सव मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन की संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. उर्वशी साहनी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद कॉलेज के समष्टि कल्चरल क्लब के सदस्यों ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया। इस उत्सव में 400 से अधिक लोगों ने सहभागिता की। स्टडी हॉल एजुकेशनल फाउंडेशन की संस्थापक एवं सीईओ डॉ. उर्वशी साहनी ने कहा, "यह उत्सव आपसी जुड़ाव और एकजुटता का प्रतीक है। जब विद्यार्थी और शिक्षक एक साथ आकर त्योहार की खुशियाँ साझा करते हैं, तो कक्षा और खेल के मैदान के बीच की सीमाएँ मिट जाती हैं। ऐसे पल अपनेपन की भावना को बढ़ाते हैं, हमारे रिश्तों को मजबूत बनाते हैं और हमें याद दिलाते हैं कि शिक्षण संस्थान केवल सीखने की जगह नहीं, बल्कि एक ऐसा समुदाय हैं, जहाँ हम साथ मिलकर आगे बढ़ते हैं।" स्टडी हॉल कॉलेज के निदेशक डॉ. हिमांशु प्रताप ने कहा, "यह आयोजन हमारे विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर एक–दूसरे के साथ जुड़ने और यादगार पल बनाने का शानदार अवसर प्रदान करता है। उन्हें संगीत, नृत्य और भारतीय परंपराओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता व्यक्त करते देखना बेहद सुखद है। ऐसे आयोजन कॉलेज समुदाय को और करीब लाते हैं तथा हमें मिलकर उत्सव मनाने का अवसर देते हैं।" नेचर ग्रिड एनर्जी के प्रबंध निदेशक आशीष जायसवाल ने कहा, "स्टडी हॉल कॉलेज ने विद्यार्थियों को कक्षा से बाहर एक–दूसरे से जुड़ने, संगीत और नृत्य के माध्यम से अपनी प्रतिभा व्यक्त करने तथा भारत की सांस्कृतिक विविधता को बेहतर ढंग से समझने का एक बेहतरीन मंच प्रदान किया है।" स्टडी हॉल कॉलेज की पूर्व छात्रा दिया कश्यप ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, "डांडिया नाइट 2026 का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद यादगार अनुभव है। संगीत, रंग–बिरंगे परिधान, जोश से भरी प्रस्तुतियों और पूरे परिसर में उत्साह के माहौल ने इस शाम को खास बना दिया। दोस्तों के साथ मिलकर उत्सव मनाने और ऐसी यादें संजोने का यह एक शानदार अवसर था, जिन्हें हम लंबे समय तक याद रखेंगे।" इस आयोजन को नेचर ग्रिड एनर्जी का सहयोग प्राप्त हुआ। इसके साथ ही याक एंटरप्राइजेज, वेबग्रेड टेक्नोलॉजीज और आरसी रेव्ड गैराज ने भी अपना योगदान दिया। आयोजन को गणेश सिक्योरिटी एंड गार्ड सर्विसेज, सिंह स्वीट्स एंड नमकीन्स, सुभाष स्वीट्स, लखनऊ फैजाबाद एक्सप्रेस ट्रांसपोर्ट कंपनी, अडिसन, अमन ज्वेलर्स, पार्थ ट्रैवल्स लिमिटेड, लखनऊ पैराडाइज प्राइवेट लिमिटेड, एसआरएस दृ सुप्रीम रॉयल सिलेक्शन और विराट सॉल्यूशंस लिमिटेड का भी सहयोग मिला। इन सभी सहयोगियों के योगदान ने इस आयोजन को सफल और यादगार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डांडिया नाइट 2026 ने भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं, रचनात्मकता और प्रतिभा का उत्सव मनाने के साथ–साथ कॉलेज समुदाय के बीच आपसी जुड़ाव और एकजुटता को भी मजबूत किया।

सम्पर्क फाउंडेशन टॉप टीचर अवॉर्ड 2026/27– जनपद अयोध्या में उत्कृष्ट शिक्षकों को किया गया सम्मानित

अयोध्या।सम्पर्क फाउंडेशन द्वारा संचालित टॉप टीचर अवॉर्ड 2026दृ27 के अंतर्गत आज जनपद अयोध्या, उत्तर प्रदेश में सरकारी विद्यालयों में उत्कृष्ट शिक्षण कार्य करने वाले शिक्षकों को उनके नवाचार, समर्पण एवं बच्चों की शिक्षा में सकारात्मक बदलाव लाने के प्रयासों के लिए सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम का उद्देश्य ऐसे शिक्षकों के योगदान को पहचानना और प्रोत्साहित करना है, जो अपने प्रभावी शिक्षण तरीकों एवं शैक्षिक संसाधनों के उपयोग से कक्षा–कक्ष में सीखने की प्रक्रिया को अधिक सरल, रोचक और प्रभावशाली बना रहे है।कार्यक्रम के माध्यम से उन शिक्षकों के प्रयासों को विशेष रूप से रेखांकित किया गया, जो बच्चों की सहभागिता बढ़ाने, शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया को बेहतर बनाने तथा मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहे हैं।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, अयोध्या, कृष्ण कुमार सिंह के मार्गदर्शन एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अयोध्या, लाल चन्द्र के नेतृत्व में जनपद में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों के महत्व को रेखांकित किया गया।कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारियों, शिक्षकों एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की सहभागिता रही।सम्पर्क फाउंडेशन के शैक्षिक समाधानों, विशेष रूप से सम्पर्क स्मार्ट शाला एवं सम्पर्क टीवी डिवाइस, के प्रभावी उपयोग से शिक्षक शिक्षण को अधिक गतिविधि–आधारित, रोचक एवं बच्चों के अनुकूल बनाने की दिशा में प्रयासरत हैं। ऑडियो–विजुअल शैक्षिक सामग्री के माध्यम से बच्चों को कठिन अवधारणाओं को सरलता से समझने, कक्षा की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी करने तथा सीखने के प्रति रुचि विकसित करने में सहायता मिलती है।टॉप टीचर अवॉर्ड के माध्यम से ऐसे शिक्षकों के प्रयासों को प्रोत्साहन मिलता है, जो उपलब्ध शैक्षिक संसाधनों का रचनात्मक उपयोग करते हुए बच्चों के सीखने के अनुभव को बेहतर बना रहे हैं। यह सम्मान शिक्षकों को अपने नवाचारों को आगे बढ़ाने तथा विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण की संस्कृति विकसित करने के लिए प्रेरित करता है।राष्ट्रीय शिक्षा के लक्ष्यों के अनुरूप, बच्चों में पढ़ने, लिखने और गणितीय समझ जैसी बुनियादी दक्षताओं के विकास में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। सम्पर्क फाउंडेशन अपने शैक्षिक संसाधनों के माध्यम से सरकारी विद्यालयों में शिक्षण प्रक्रिया को सहयोग प्रदान करने तथा एफ एल एन के लक्ष्यों की प्राप्ति में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।टॉप टीचर अवॉर्ड 2026दृ27 इसी प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है,जो शिक्षकों की मेहनत, रचनात्मकता और बच्चों के प्रति समर्पण को सम्मानित करने के साथ–साथ अन्य शिक्षकों को भी प्रभावी शिक्षण पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

महिला एसओ आशा शुक्ला के नेतृत्व मे दुर्गा पूजा पंडाल में मिशन शक्ति टीम ने महिलाओ को कर रही जागरूक

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। मिशन शक्ति फेज–6.0 के द्वितीय चरण के तहत शुक्रवार को महिला थानाध्यक्ष अयोध्या आशा शुक्ला के नेतृत्व मे मिशन शक्ति की महिला पुलिस टीम ने दुर्गा पूजा पंडाल में पहुंचकर बैनर,पोस्टर व पंपलेट के माध्यम से महिलाओं और बच्चियों को सुरक्षा, महिला कल्याण योजनाओं तथा साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया।इस दौरान महिला आरक्षी अनीता चौरसिया, वंदना यादव और सोनी तिवारी ने महिलाओं को वूमेन पावरलाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, महिला हेल्पलाइन 181 और पुलिस आपात कालीन सेवा 112 सहित अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी।साथ ही स्वास्थ्य सेवा 102, एंबुलेंस सेवा 108 और साइबर अपराध की शिकायत के लिए 1930 नंबर के बारे में भी बताया।पुलिस टीम ने महिलाओं को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, विधवा पेंशन और वृद्धावस्था पेंशन सहित सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी।इसके अलावा साइबर अपराध, जनधन खातों के दुरुपयोग और डिजिटल अरेस्ट जैसी धोखाधड़ी से बचने के उपाय बताते हुए सतर्क रहने की अपील की। टीम ने महिलाओं और बच्चियों को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर बिना झिझक पुलिस की मदद लेने के लिए प्रेरित किया।

बदलापुर तहसील में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू कराने हेतु हस्ताक्षर अभियान चलाया गया

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू कराने की मांग को लेकर बदलापुर तहसील में शिवकुमार मिश्र एडवोकेट सिविल कोर्ट जौनपुर के नेतृत्व में अधिवक्ताओं द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाया गया

हस्ताक्षर करने के बाद तहसील बार के अध्यक्ष और तमाम अधिवक्ता के साथ उपजिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन सौंपा गया और प्रदेश सरकार से मांग किया गया कि सुरक्षा विधेयक को शीघ्र विधानसभा व विधानपरिषद में प्रस्तुत कर चर्चा कराकर पारित कराया जाए और अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम लागू किया जाए। शिवकुमार मिश्र एडवोकेट सिविल कोर्ट जौनपुर ने कहा कि अधिवक्ता न्याय व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश में प्रभावी कानूनी संरक्षण आवश्यक है। यह मांग शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रहेगा। और बहुत जल्द ही जौनपुर से लखनऊ विधानसभा तक शांतिपूर्ण अधिवक्ताओं की यात्रा निकाला जायेगा उन्होंने अधिवक्ताओं से इस महत्वपूर्ण मांग के समर्थन में एकजुट रहने की अपील की। राघवेन्द्र त्रिपाठी, उपेन्द्र त्रिपाठी विजयप्रकाश मिश्र, शार्दूल सम्राट तमाम अधिववगण उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति प्रभारी उप निरीक्षक प्रिया ने महिलाओं को किया जागरूक

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को महिला थाना परिसर मे महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला के नेतृत्व मे मिशन शक्ति प्रभारी प्रिया ने पुलिस टीम ने मिशन शक्ति फेज–6.0 के तहत जागरूकता अभियान चलाया।शारदीय नवरात्रि एवं तहसील दिवस के अंतर्गत आयोजित इस अभियान में महिलाओं और बालिकाओं को महिला सुरक्षा, उनके अधिकारों, सरकारी कल्याणकारी योजनाओं तथा पुलिस सहायता के लिए उपलब्ध हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी दी गई।मिशन शक्ति प्रभारी महिला उपनिरीक्षक प्रिया के नेतृत्व में महिला आरक्षी मनीषा भारती और महिला आरक्षी ईशा यादव ने महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूक करते हुए बताया कि सरकार की ओर से महिलाओं के कल्याण और आर्थिक सहायता के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं।इनमें विधवा पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन और सुकन्या समृद्धि योजना प्रमुख हैं।पुलिस टीम ने इन योजनाओं के उद्देश्य और उनके लाभों के प्रति जागरूक करते हुए पात्र महिलाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।अभियान के दौरान बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। पुलिसकर्मियों ने बाल विवाह को रोकने की आवश्यकता पर जोर देते हुए महिलाओं और बालिकाओं को इसके दुष्परिणामों से अवगत कराया।साथ ही किसी भी स्थान पर बाल विवाह की जानकारी मिलने पर संबंधित अधिकारियों या पुलिस को सूचना देने के लिए प्रेरित किया गया।महिला पुलिसकर्मियों ने महिलाओं को महिला अपराधों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न,छेड़छाड़, घरेलू हिंसा या अन्य समस्या की स्थिति में चुप रहने के बजाय पुलिस की सहायता लेनी चाहिए। महिलाओं और बालिकाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में तत्काल सहायता मांगने की जानकारी दी गई।इस मौके पर उन्होंने आपातकालीन और जरूरत के समय सहायता प्राप्त करने के लिए विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया।इसमें विमेन पावर लाइन 1090, आपातकालीन पुलिस सहायता 112, महिला हेल्पलाइन 181, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं। महिला पुलिसकर्मियों ने बताया कि इन नंबरों के माध्यम से संबंधित समस्याओं के समाधान और आवश्यक सहायता प्राप्त करने के लिए संपर्क किया जा सकता है।महिला थाना पुलिस की ओर से चलाए गए।बताया कि इसका अभियान का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षा संबंधी जानकारी उपलब्ध कराने के साथ उन्हें सरकारी योजनाओं, कानूनी अधिकारों और सहायता तंत्र के प्रति जागरूक बनाना रहा,ताकि वे किसी भी समस्या की स्थिति में बिना झिझक उचित कदम उठा सकें।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।